परिक्रमा

श्रोताओं के मन में भजनों की आरती

संस्कृति पंडाल में बही भक्ति की सरिता नामचीन कलाकारों ने मोहा सभी का मन

कुंभनगर: कहीं महात्मा बुद्ध के करुणा की गहराई तो कहीं सूरदास के ज्ञान और प्रेम का द्वंद्व। मीरा और जायसी के प्रेम की पीर का अहसास भी। एक साथ इतना ही नहीं और बहुत कुछ। तन-मन और आत्मा को भीतर तक जुड़ा देने वाला एक और अनोखा कार्यक्रम परोसा उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ने।

सोमवार को चलो मन गंगा-जमुना तीर के भव्य पंडाल में पहला सत्र केशवराज एवं उनके दल के गंगा गीत से हुआ। मनका मिश्रा के भजन मिसरी घोलते रहे। उनकी प्रस्तुति पर देर तक श्रोता ठगे से रहे। इसी कड़ी में चित्रा चौरसिया ने और रंग भरा। उनके गीत- ओ रे कान्हा तूने कैसी बजायी बांसुरी.. पर श्रोता मगन हो गए। दूसरे सत्र यानि की सांध्यकालीन कार्यक्रम की कड़ी पुणे की सुश्री आरती अंकलेकर के नाम रही। दुर्गा राग में अंकलेकर ने जब अपने मधुर कंठ से माता भवानी की स्तुति सुनाई तो पूरे पंडाल में भक्ति की स्रोतास्विनी बह चली। प्रच्छालन किया हजारों श्रोताओं ने। मिश्र माड़ में उनकी दूसरी प्रस्तुति में साज-बाज और आवाज का ऐसा संगम रहा कि हर कोई तालियां बजाने को मजबूर हो गया है। राग यमन में उनके भजन के एक और बोल बड़े लोक-लुभावन रहे। आरती ने अपने गायन का समापन किया दादरा से। जब आरती ने सुनाया कि-सांवरिया प्यारा रे मोरे गोइंया...तो लोगो को अलौकिक आनंद की अनुभूति हुई। तबले पर आरती का साथ दिया विनोद लेले ने। हारमोनियम पर श्याम कुमार भारती ने साथ दिया। गायन के बाद नृत्य की बारी आयी तो गीता महालिक ने ऐसी प्रस्तुति दी की सबके सब झूम उठे। उन्होंने ओडिसी बैले का मंगलाचरण, पल्लवी, अभिनय व मोक्ष के सपनों से गुजरता हुआ, उनकी नृत्य नाटिका ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने तिरुनाल रामायण के कई प्रसंगों को सुंदर दृश्य बंधों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इनके संगत कलाकारों में प्रशांत मेहरा, मर्दण व वायलिन पर गोपीनाथ साईं ने संगत किया। उद्घोषणा कौशल शुक्ला ने किया।

चलो मन गंगा यमुना तीर में कार्यक्रम में गायिका मेनका मिश्रा ने राग छेड़ा तो श्रोताओं के मन के तार झंकृत हो उठे

सेक्टर-9 में वृंदावन की झलक: जनसेवा संस्थान के शिविर में रास लीला का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर कलाकारों ने राधा कृष्ण के दर्शन कराए

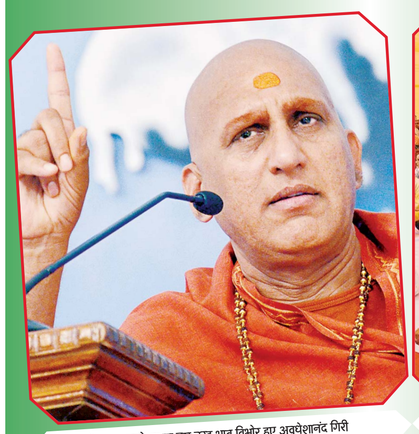

सेक्टर-9 में कथा सुनाते समय इस तरह भाव विभोर हुए अवधेशानंद गिरी

सेक्टर-9 स्थित शिविर में अवधेशानंद गिरी का प्रवचन सुनने के लिए कल्पवासियों के साथ-साथ शहर से भी लोग पहुंचे

प्रवचन-भजन कला की धार

महाकुंभ 2013 के दौरान त्रिवेणी का तट प्रवचन, भजन और कला की धारा से हर रोज तृप्त हो रहा है। कल्पवासी पूजन-भजन के अलावा पंडालों में प्रवचन का लाभ उठा रहे हैं। माघ मास की रात कुछ ज्यादा ही अनूठी रहती है क्योंकि हर किसी को कुछ न कुछ मिलता ही है, चाहे वह सत्संग हो या सांस्कृतिक आयोजन। पंडालों में सजाई गई एक से बढ़कर एक झांकियां भी मन मोह लेती हैं। उत्तर- मध्य सांस्कृतिक केंद्र के तत्वावधान में चल रही प्रस्तुतियां तो दर्शकों के लिए अविस्मरणीय बन जा रही हैं।

गंगा जमुना सरस्वती का मेल ही ब्रह्मलोक

कुंभनगर : प्रयाग राज को तीर्थ का राजा कहा गया है। सृष्टि के प्रारंभ से ही यह स्थान ऋषियों एवं यज्ञों के लिए प्रसिद्ध है। प्राचीन समय से प्रयाग राज प्राकृतिक दिव्य वन के रूप में था यह धर्म का क्षेत्र और महान तीर्थ है। गंगा, यमुना एवं सरस्वती का जहां संगम हुआ है वो ही ब्रह्मलोक का मार्ग है। अनंत विभूति महामण्डलेश्वर स्वामी प्रज्ञानंद गिरि महाराज ने रविवार को अपने शिविर महामण्डलेश्वर नगर में श्री रुद्र पंचकुण्डीय महायज्ञ के दौरान कहा कि शुद्ध हृदय वाले सत्यव्रत परायण महातेजस्वी एवं महाभाग तपस्वी मुनियों ने एक महान यज्ञ का आयोजन किया था।

बुद्धि मुक्ति होने पर गुरु की आवश्कता

कुंभनगर : मां कामाख्या संस्थान प्रयाग के तत्वावधान में पूर्ण कुंभ मेला में सेक्टर आठ तुलसी चौराहा तुलसी मार्ग स्थित मां कामाख्या संस्थान के प्रवचन पंडाल में गीता ज्ञान अमृत वर्षा हुई। नवें दिने श्री संकर्षण महाराज ने बताया कि गीता में भगवान श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि किस तरह तू जीवन में खुश व सुखी रह सकता है जिस समय बुद्धि मुक्ति हा जाय तो उस समय व्यक्ति को गुरू की आवश्यकता होती है। न कि दोस्त की आगे भगवान कृष्ण कहते हे मनुष्य के अंदर प्रकृति के सारे गुण ज्ञान, बुद्धि, विचार, सोच सब कुछ परमात्मा द्वारा ही प्रदत्त है।

सेक्टर-11 में रामकमल वेदांती के शिविर में प्रवचन सुनने के लिए श्रद्धालुओं का मेला लगा रहा

सेक्टर-11 में रामकमल वेदांती ने कथा सुनाई

सेक्टर-9 स्थित शिविर में स्वामी कैलाशानंद ने भक्तों को कथा का रसपान कराया

स्वामी कैलाशानंद का प्रवचन सुनते समय श्रद्धालु भक्तिभाव में डूब गए

विश्वेश्वरी देवी के मुखार बिंदु से प्रभु की कथा सुनने के लिए शिविर में श्रद्धालु ऐसे उमड़े कि घंटों उठने का मन ही नहीं हुआ

सेक्टर 9 में विश्वेश्वरी देवी कथा सुनाते समय भाव विभोर हो गईं

सेक्टर-11 स्थित नृत्यगोपाल दास के शिविर में रायाकृष्ण की सजी झांकी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है

सिर पर गृहस्थी रखकर श्रद्धालुओं के संगम पहुंचने का सिलसिला चल रहा है। मौना अमावस्या पर्व के मद्देनजर सगे संबंधियों के शिविर में नाते-रिश्तेदारों के आने का क्रम तेज हो गया है

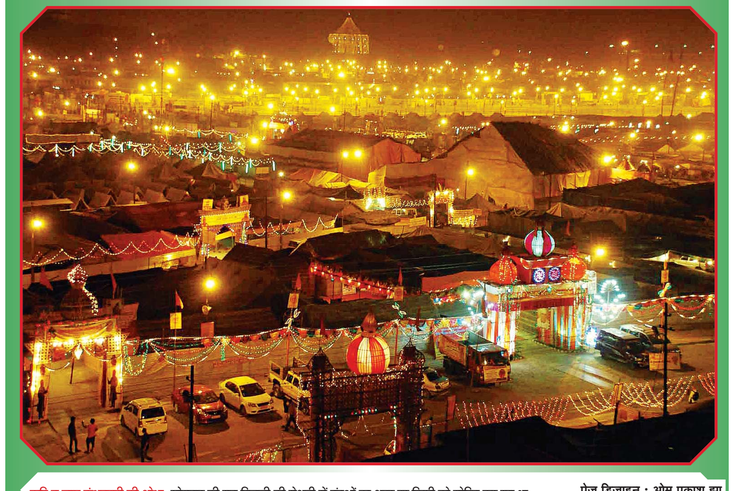

कहि न जाए कुंभनगरी की शोभा: सोमवार की रात बिजली की रोशनी में तंबुओं का शहर हर किसी को मोहित कर रहा था

पेज डिजाइन : ओम प्रकाश झा